जागृति

वर्ष:64 अंक: 5 मुम्बई अप्रैल 2020

आयोग में नव नियुक्त कर्मियों के लिए प्रशिक्षण

आयोग ने बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका

खादी और ग्रामोद्योग आयोग

जागृति

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका

वर्ष 64 अंक-5 मुंबई अप्रैल 2020

सम्पादकीय मण्डल

अध्यक्ष
श्रीमती प्रीता वर्मा

संपादक
एम. राजन बाबू

उप संपादक
सुबोध कुमार

वरिष्ठ हिंदी अनुवाद अधिकारी
सरस्वती खनका

डिजाईन व पृष्ठसज्जा
सुबोध कुमार

प्रचार, फ़िल्म एवं लोक शिक्षण
कार्यक्रम निदेशालय द्वारा
खादी और ग्रामोद्योग आयोग,
ग्रामोदय, 3 इर्ला रोड,
विले पार्ले (पश्चिम), मुंबई -400056
के लिए ई-प्रकाशित
ईमेल: kvicpub@gmail.com
वेबसाइट: www.kvic.org.in

आवश्यक नहीं कि पत्रिका में प्रकाशित लेखों तथा विचारों से खादी और ग्रामोद्योग आयोग अथवा संपादक सहमत हों

इस अंक में.....

समाचार सार ..... 3 से 17

आयोग के अध्यक्ष ने नवनियुक्त कर्मचारियों को संबोधित किया.....

आयोग में नव नियुक्त कर्मियों के लिए अभिविन्यास प्रशिक्षण.....

अहमदाबाद में 'रोज़गार युक्त गाँव' पर कार्यशाला.....

खादी के लिए उत्कर्ष केंद्र का उद्घाटन.....

आयोग ने बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस.....

त्र्यंबक विद्या मंदिर, नाशिक के समन्वय से महिलाओं के लिए उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम.....

भारत में हाथकागज और रेशा उद्योग को सशक्त बनाने पर जोर.....

कन्याकुमारी में राष्ट्र स्तरीय राजभाषा सम्मेलन सम्पन्न.....

खादी और ग्रामोद्योग आयोग , देहरादून द्वारा काशीपुर में 20 पारम्परिक कुम्हार कारीगरों को 'विद्युत चालित चाक' वितरण .....

राज्य कार्यालय, देहरादून द्वारा हाथ कागज एवं रेशा उद्योग पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन.....

कोडाइकनाल के कुम्बाराइयूर गाँव में पीएमईजीपी योजना के तहत जागरूकता कार्यक्रम.....

आयोग के आंचलिक एवं राज्य कार्यालय, बेंगलुरु और एमडीटीसी प्रशिक्षण केंद्र बेंगलुरू द्वारा संयुक्त रूप से महिला दिवस मनाया गया.....

आयोग के मंडलीय कार्यालय, मेरठ में महिला दिवस मनाया गया.....

आयोग ने जम्मू कश्मीर के बारामुला जिले में 5 मार्च को संभावित कुम्हार सशक्तिकरण योजना के तहत प्रशिक्षण शुरू किया.....

आयोग के बहु उद्देशीय प्रशिक्षण केन्द्र, देहरादून में पांच दिवसीय अगरबत्ती निर्माण का प्रशिक्षण.....

प्रेस कवरेज 18

आयोग के अध्यक्ष ने नवनियुक्त कर्मचारियों को संबोधित किया

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के नव चयनित कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने के बाद आयोग के प्रार्थना कक्ष में माननीय अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा संबोधित किया गया। इस अवसर पर वित्तीय सलाहकार और आयोग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सभी नए चयनित कर्मचारियों का परिचय प्राप्त करने के बाद, आयोग के माननीय अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने अपने संबोधन में कहा कि आज आप जिस संगठन से जुड़ रहे हैं, वह राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सपने को साकार करने वाला संगठन है, यह संगठन समाज में निचले स्तर पर रहने वाले लोगों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने वाला संगठन है।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के इतिहास का संक्षिप्त वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि आयोग का एक महान और गौरवशाली इतिहास है, जिसे आप सभी को अपनी निष्ठा और समर्पण से आगे रखना होगा। अपने पद पर नियुक्ति होने के बाद, संगठन के गौरव को कम करने वाले किसी भी काम को करने से दूरी बनाएं रखें। आप सभी युवा कर्मी, अपनी सारी ऊर्जा, समर्पण और ईमानदारी के साथ काम करते हुए आगे बढ़ो, अपने मानस पर किसी विशेष क्षेत्र, भाषा या क्षेत्र में काम करने की प्रवृत्ति को दूर रखकर देश के गरीबों और जरूरतमंदों के लिए काम करने की मानसिकता रखें। इस महान संगठन में शामिल होने के लिए आप सभी को बधाई और शुभकामनाएं।

इससे पहले, आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि आप सभी इस संगठन में एक नई ऊर्जा के साथ आए हैं और प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान आपको इस संगठन के बारे में सभी छोटी बड़ी जानकारी प्रदान की गई है, जिसका उपयोग कार्यालय कार्यों में आप कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग एकमात्र संगठन है जो महात्मा गांधी द्वारा उनके अंत्योदय के सपने को साकार करने के लिए दिखाए गए रास्ते पर चल रहा है। इस तरह के एक संगठन में शामिल होने के लिए आप सभी को शुभकामनाएं देने का यह अवसर मिला है।

आयोग के प्रशासन और मानव संसाधन निदेशालय ने 2 मार्च, 2020 को आयोग में नवनियुक्त कर्मचारियों के लिए एक सप्ताह का अभिविन्यास प्रशिक्षण "ओरिएंटेशन ट्रेनिंग प्रोग्राम फॉर न्यूली रिक्रूटर्स" का आयोजन सोराबजी पोचखानवाला बैंकर्स ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, जेवीपीडी स्कीम, विले-पार्ले (डब्ल्यू), मुंबई में किया। आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुश्री प्रीता वर्मा ने, वित्तीय सलाहाकार श्रीमती उषा सुरेश, संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री वाय.के. बारामतिकर और उप मुख्य कार्यकारी अधिकार श्री जी. गुरुप्रसन्ना और केवीआईसी के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में, प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने सभी नव नियुक्त कर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि केवीआईसी एक महत्वपूर्ण संगठन है, जो पूरे देश में लगभग 4 करोड़ लोगों को रोजगार देने के

आयोग में नव नियुक्त कर्मियों के लिए अभिविन्यास प्रशिक्षण

लिए काम कर रहा है।

उसने कहा कि केवीआईसी की यूएसपी अन्य संगठनों और क्षेत्रों से अलग है, जो देश के सबसे निचले व्यक्ति और गरीबों के लिए और देश में महिला सशक्तीकरण के लिए काम करता है। आयोग के पास देश के इन लोगों को रोजगार प्रदान करने की एक सामाजिक जिम्मेदारी है, जिससे इस क्षेत्र में बहुत कुछ करने को है। उन्होंने सभी नए लोगों से इस क्षेत्र में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने और ईमानदारी, समर्पण और कर्यत्व निष्ठा के साथ काम करने का आग्रह किया। उन्होंने सभी नव नियुक्तों से संगठन के विकास के लिए अपने योग्यता और सामर्थ्य के अधिकतम योगदान देने पर जोर दिया।

आयोग की वित्तीय सलाहकार ने इस अवसर पर कहा कि केवीआईसी का बजट लगभग 3000 करोड़ है जो एमएसएमई क्षेत्र का लगभग 50% है और इसीलिए, केवीआईसी की एमएसएमई क्षेत्र में रोजगार सृजन में बहुत बड़ी भूमिका है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग एक बड़ा संगठन है, जहां सभी नव नियुक्तों को बहुत कुछ सीखने और करने को मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि केवीआईसी ने वित्त, बजट और लेखा परीक्षा के क्षेत्रों में नई तकनीकी प्रणाली विकसित की है।

केवीआईसी के संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने नवनियुक्त कर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि केवीआईसी जैसे संगठन में काम करने का यह एक बड़ा अवसर है, जहां वे केवीआईसी के सभी कार्यक्रमों / योजनाओं के कार्यान्वयन में पूरी ईमानदारी से योगदान दे सकते हैं।

हाल ही में, खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने अपनी प्रबंधकीय प्रणाली और कार्यक्रमों / योजनाओं के बेहतर प्रबंधन के लिए विभिन्न क्षेत्रों में 118 पदों पर भर्ती की है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम खादी और ग्रामोद्योग आयोग के नव नियुक्त कर्मचारियों के लिए आयोजित किया गया था।

अहमदाबाद में 'रोज़गार युक्त गाँव' पर कार्यशाला

आयोग के राज्य कार्यालय, अहमदाबाद ने 12 मार्च, 2020 को रोज़गार युक्त गाँव' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। इस अवसर पर खादी ग्राम विकास संस्थान, गुजरात से 5 गाँवों के चयन और महाराष्ट्र के समन्वय से महाराष्ट्र के 5 गाँवों के गठन के बारे में व्यापार भागीदार के साथ जानकारी साझा की गई।

कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए केवीआईसी के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने खादी ग्रामोद्योग क्षेत्र में खादी, हनी मिशन कार्यक्रम, चर्म और पीएमईजीपी में रोजगार के अवसरों की असीम संभावना पर प्रकाश डाला।

उन्होंने, इस अवसर पर सघन विकास क्षेत्र योजना के अनुभवी गांधीवादी श्री प्यारेभाई हडानी का भी सम्मान किया और एक दिव्यांग व्यक्ति को प्रमाण पत्र सौंपा, जिन्होंने एक खादी संस्था की स्थापना की है।

इस अवसर के दौरान निफ्ट, एनआईडी, कपड़ा उद्योग के उद्यमी, खादी संस्थाओं, खादी ग्रामोद्योग बोर्ड आदि के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

इससे पहले, आयोग के राज्य निदेशक, गुजरात श्री संजय हेडाऊ ने गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया और इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

खादी के लिए उत्कर्ष केंद्र का उद्घाटन

23.3.2020: सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के तहत खादी और ग्रामोद्योग आयोग का कार्य ग्रामीण क्षेत्रों में, ग्रामीण विकास जहाँ भी आवश्यक हो, जो अन्य क्षेत्रों से जुड़े अन्य अभिकरणों के साथ समन्वय स्थापित कर खादी और अन्य ग्रामीण उद्योगों के विकास के लिए कार्यक्रमों का नियोजन, संवर्धन, संगठन और कार्यान्वयन करना है।

मानकों की पुष्टि करने के लिए खादी और ग्रामोद्योग के उत्पादों की गुणवत्ता के मानकों की स्थापना सुनिश्चित करने के लिए, खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (NIFT), कपड़ा मंत्रालय के साथ मिलकर "उत्कर्ष केंद्र (CoE)" स्थापित करने का निर्णय लिया है। उत्कर्ष केंद्र की स्थापना नई दिल्ली, कोलकाता, शिलांग, बेंगलुरु और गांधीनगर में एनआईएफटी परिसरों में की जाएगी, ताकि उच्च घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार के लिए नए खादी उत्पादों को विकसित किया जा सके और खादी ब्रांड को मजबूत किया जा सके।

इस शुभ अवसर पर केवीआईसी और एनआईएफटी के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जो 23.3.2020 को केवीआईसी और एनआईएफटी द्वारा भारत सरकार के माननीय कपड़ा मंत्री, और माननीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री की गरिमामय उपस्थिति में किये गये।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय ने उत्कर्ष केंद्र (सीओई) की स्थापना के लिए 20.00 करोड़ रु दिया जायेगा और अतिरिक्त खर्चों को आंतरिक राजस्व से उत्पन्न आईआरजी से संचालित कर पूरा किया जाएगा। इस धनराशि को केपेक्स (CAPEX) और ऑपेक्स (OPEX) के लिए अलग-अलग चरणबद्ध तरीके से प्रदान किया जाएगा।

उत्कर्ष केंद्र (सीओई) में वस्तुएं मौसम के अनुसार रंग, पूर्वानुमान और फैशन के रुझान के आधार पर नए कपड़े और उत्पाद बनाए जाएंगे, जो नए खादी के आसपास दिलचस्प आख्यानों का निर्माण करके उच्च गुणवत्ता घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार के लिए वस्त्र और कपड़ों के लिए गुणवत्ता मानकों का प्रसार, रचनात्मक दृश्य नए खादी उत्पादों की बिक्री और पैकेजिंग साथ-साथ खादी की वैश्विक पहुंच बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खादी फैशन शो और प्रदर्शनियों का आयोजन करना है।

निम्नलिखित कार्य योजना आरंभ करने का प्रस्ताव है:

- कुछ पारंपरिक खादी क्लस्टरों की यूएसपी और कारीगरों के कौशल के संदर्भ में उनकी ताकत की पहचान करने के लिए दौरा किया जाएगा।
- पहले दौर के हस्तक्षेप के लिए पूरे क्षेत्र में 25 खादी सस्थाओं की पहचान की जाएगी और 5-6 वस्त्र डिजाइनर डिजाइन विकास के लिए खादी सस्थाओं के साथ हस्तक्षेप के लिए लगे रहेंगे।
- मौजूदा खादी कपड़ों के साथ काम करने के लिए कपड़ा और फैशन डिजाइनरों की चार टीमों की पहचान की जाएगी ताकि मूल्य वर्धित फैशन कलेक्शन को विकसित किया जा सके।
- खादी संग्रह पर काम करने के लिए दो अंतर्राष्ट्रीय डिजाइनरों की पहचान की जाएगी।
- खादी की मौजूदा उत्पाद लाइन को बेहतर बनाने के लिए, घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में स्वीकार्य गुणवत्ता और, गुणवत्ता और सूचनाओं के प्रसार के लिए गुणवत्ता मानकों को तैयार किया जाएगा।
- खादी को "शून्य कार्बन उत्सर्जन और टिकाऊ कपड़े" के रूप में वर्णित करके नए खादी उत्पादों के लिए ब्रांडिंग और प्रचार सोशल मीडिया के माध्यम से बनाया जाएगा।
- ट्रेंडी खादी उत्पादों के प्रति युवाओं को आकर्षित करने और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए युवाओं को आकर्षित करने के लिए मॉल में पॉप-अप और दुकानों के साथ टाई-अप बनाया जाएगा।
- विजुअल मर्चेंडाइजिंग बनाने, उत्पादों के लिए पैकेजिंग और उच्च गुणवत्तापरक उपभोक्ताओं और संस्थागत खरीदारों को आकर्षित करने और नए उत्पादों की दृश्यता बढ़ाने के लिए थीम मंडप स्थापित किए जाएंगे।
- खादी की वैश्विक पहुंच बढ़ाने के लिए, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खादी फैशन शो और प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा, जिसमें कार्यक्रमों का एक वार्षिक कैलेंडर बनाया जाएगा।
- एक मेगा इवेंट - अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन या नवाचारों, विकास और ज्ञान पर नए प्रदर्शन के लिए 2 से 3 दिनों का का संगोष्ठी आयोजन किया जाएगा
- निफ्ट परिसर में प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कौशल प्रदान करने के लिए किया जाएगा।

आयोग ने बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाया
अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के केंद्रीय कार्यालय, मुंबई परिसर में आज ९ मार्च २०२० को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस बड़ेहर्षोल्लास के साथ मनाया गया । इस अवसर पर वित्त सलाहकार श्रीमती उषा सुरेश, मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री मोहित जैन, संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री वाई के बारामतिकर उपस्थित थे|

कार्यक्रम का आयोजन केवीआईसी की महिला सशक्तिकरण समिति द्वारा किया गया। यह कार्यक्रम बहुत ही रोचकथा, जहां महिला अधिकारियोंद्वारा नाटयन,कविता पाठ और अपनी जीवन यात्रा के अनुभवों को साझा कियागया जो प्रतिभागियों के लिए प्रेरक रहा ।

इस अवसर पर वित्त सलाहकार श्रीमती उषा सुरेश ने अपने सम्बोधन में सभी महिला कर्मचारियों तथा अधिकारियों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

इससे पूर्व,निदेशक और महिला सशक्तिकरण समिति के अध्यक्षसुश्री गीता वारियर ने मुख्य अतिथि वित्तीय सलाहकार सुश्रीउषा सुरेशऔर उपस्थित प्रतिभागियों का स्वागत किया। तत्पश्चातकार्यक्रम के अंत मेंप्रचार अधिकारीसुश्री शुभदा कीरने धन्यवादज्ञापन किया।

त्र्यंबक विद्या मंदिर, नाशिक के समन्वय से महिलाओं के लिए उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम

आयोग के डा. अम्बेडकर ग्रामीण प्रौद्योगिकी और प्रबंधन संस्थान, नाशिक में 07.02.2020 को आयोग की महिला सशक्तिकरण समिति सेल द्वारा महिलाओं के लिए एक उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया । कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं के बीच केवीआईसी के विभिन्न कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता पैदा करना था जो उन्हें एक उद्यमी बनने में मदद कर सके और महिलाएं खुद को सशक्त बनाएं और जरूरतमंदों को रोजगार दें सके।

कार्यक्रम में 85 महिला प्रतिभागियों ने भाग लिया। डा. अम्बेडकर ग्रामीण प्रौद्योगिकी और प्रबंधन संस्थान, नाशिक के निदेशक / प्राचार्य श्री के.सी. रॉय ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित विभिन्न प्रशिक्षणों के बारे में बताया। इसके अलावा, महिला सशक्तिकरण समिति की सदस्यों ने विभिन्न केवीआईसी योजनाओं जैसे पीएमईजीपी, स्फूर्ति आदि के बारे में प्रतिभागियों को विस्तार से बताया।

डॉ. मीनल रैंडीव, एमडी ने महिला स्वास्थ्य और स्वच्छता पर ध्यान दिया । पीएमईजीपी उद्यमी (रेडीमेड गारमेंट्स) श्रीमती ज्योति सूर्यवंशी ने रेडीमेड गारमेंट्स के विनिर्माण की अपनी इकाई की स्थापना के लिए पीएमईजीपी योजना की मदद से अपनी उपलब्धि भी बताई।

प्रतिभागियों के साथ एक इंटरैक्टिव सत्र भी आयोजित किया गया जिसमें उनके प्रश्नों के उत्तर दिये गये । कार्यक्रम का समापन धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

भारत में हाथकागज और रेशा उद्योग को सशक्त बनाने पर जोर

हाथकागज और रेशा उद्योग निदेशालय, खादी और ग्रामोद्योग आयोग, मुंबई ने विनिर्माण इकाइयों और तकनीकी कर्मचारियों के लिए "पैकेजिंग हेतु हस्तनिर्मित कागज और कागज बोर्ड का उपयोग" पर दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। प्रशिक्षण का आयोजन 27 से 28 फरवरी 2020 को इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पैकेजिंग, मुंबई के कैंपस में किया गया । प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य घरेलू और विदेशी बाजार में हाथकागज के उपयोग को बढ़ावा देना, अभिनव पैकेज, डिजाइन और विकास, लागत प्रभावी पैकेजिंग, राष्ट्रीय स्तर पर पैकेजिंग मानकों को उन्नत करना और स्थायी विकास के लिए पैकेजिंग में हाथकागज और बोर्ड का उपयोग करना था।

असम, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, गोवा, महाराष्ट्र, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में स्थापित इकाइयों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया है। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन खादी और ग्रामोद्योग आयोग और भारतीय पैकेजिंग संस्थान, मुंबई के अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया। प्रशिक्षण के दौरान, अभिनव पैकेजिंग, पैकेजिंग के लिए हाथकागज और कागज बोर्डों का उपयोग, पर्यावरण के अनुकूल पैकेजिंग के लिए हाथकागज की उपयोगिता पर प्रकाश डाला गया।

समापन समारोह का आयोजन आयोग के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (प्रशासन) और निदेशक (एचएमपीएफआई), की उपस्थिति में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम में हाथकागज और रेशा उद्योग इकाइयाँ के प्रतिनिधियों ने प्रसन्नता व्यक्त की और प्रशिक्षण के लिए हाथकागज और रेशा उद्योग निदेशालय द्वारा पहल की सराहना की और भविष्य में इस तरह के और प्रशिक्षणों का भी अनुरोध किया।

कन्याकुमारी में राष्ट्र स्तरीय राजभाषा सम्मेलन सम्पन्न

कन्याकुमारी (तमिलनाडु): हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी खादी और ग्रामोद्योग आयोग के देश भर में फैले विभिन्न राज्य, मंडलीय और उप कार्यालयों में राजभाषा हिन्दी का कामकाज देख रहे अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए दो दिवसीय राष्ट्र स्तरीय राजभाषा सम्मेलन का आयोजन विगत दिनांक 30 एवं 31 जनवरी 2020 को विवेकानंद केन्द्र, कन्याकुमारी (तमिलनाडु) में किया गया जिसमें देश भर से पधारे अधिकारियों व कर्मचारियों ने भाग लिया। इस वर्ष इस राजभाषा सम्मेलन का आयोजन मंडलीय कार्यालय, खादी और ग्रामोद्योग आयोग, मदुरै के तत्वावधान में विवेकानंद केन्द्र, कन्याकुमारी में किया गया।

दो दिनों तक चलने वाले इस राजभाषा सम्मेलन का उद्घाटन दिनांक 30 जनवरी 2020 को किया गया जिसकी अध्यक्षता आयोग के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री आर. के. चौधरी ने की। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि श्रभ् आर. एन. सेंदिल कुमार, प्राचार्य, केन्द्रीय विद्यालय, नागरकोइल थे तथा इस समारोह के विशेष अतिथि विवेकानंद केन्द्र कन्याकुमारी के प्रशासनिक सचिव व कोषाध्यक्ष श्री एन. हनुमंत राव थे। इस अवसर पर मंडलीय कार्यालय मदुरै के प्रभारी, सहायक निदेशक श्री एम. चिन्नातम्बी तथा हिन्दी विभाग, मुख्यालय मुंबई से सहायक निदेशक (राजभाषा) श्री कृष्णपाल भी उपस्थित थे।

पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन के साथ सम्मेलन का शुभारंभ हुआ और महात्मा गांधी जी के चित्र पर माल्यार्पण अर्पित कर अतिथियों ने उनके प्रति अपनी कृतज्ञता अर्पित की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री आर. के. चौधरी ने उपस्थित प्रतिभागियों से आग्रह किया कि वे अपना दैनिक कार्यालयीन कामकाज अधिक से अधिक राजभाषा हिन्दी में करें और भारत सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यांकों को पूरा करें।

मुख्य अतिथि प्राचार्य श्री सेंदिल कुमार ने राजभाषा हिन्दी के क्षेत्र में अपने अनुभवों को साझा किया और प्रतिभागियों से अपेक्षा की कि वे राजभाषा हिन्दी के कार्य को प्राथमिकता दें।

इस दो दिवसीय आयोजन में संघ की राजभाषा नीति का कार्यान्वयन, संसदीय राजभाषा समिति द्वारा निरीक्षण प्रश्नावली पर चर्चा, आयोक के अधीनस्थ कार्यालयों में राजभाषा हिन्दी के कार्यान्वयन की स्थिति पर चर्चा, हिन्दी तिमाही प्रगति रिपोर्ट भरना, हिन्दी के विभिन्न उपयोगी टूल्स इत्यादि पर चर्चा के साथ साथ राजभाषा हिन्दी के संवैधानिक पहलुओं पर भी विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग , देहरादून द्वारा काशीपुर में 20 पारम्परिक कुम्हार कारीगरों को 'विद्युत चालित चाक' वितरित

राज्य कार्यालय, खादी और ग्रामोद्योग आयोग , देहरादून (उत्तराखंड) द्वारा दिनांक 05.03.2020 को 'कुम्हार सशक्तिकरण कार्यक्रम' के अन्तर्गत पक्काकोट, काशीपुर में प्रशिक्षण के उपरांत 20 पारम्परिक कुम्हार कारीगरों को 'विद्युत चालित चाक' वितरण किया गया। इस अवसर पर काशीपुर के गणमान्य नागरिक भी उपस्थित थे।

सर्व श्री गजेंदर प्रजापति, प्रदेश अध्यक्ष, राष्ट्रीय प्रजापति महासंघ, खिलेनदर चौधरी, प्रदेश उपाध्यक्ष, रवि प्रजापति, पार्षद, प्रगति पथ लघु उत्पाद्क ग्रामोधोग समिति, जसपुर के प्रतिनिधि समीर अहमद एवं राम नारायण, राज्य निदेशक , खादी और ग्रामोद्योग आयोग, उत्तराखंड भी उपस्थित थे।

राज्य कार्यालय, देहरादून द्वारा हाथ कागज एवं रेशा उद्योग पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

आयोग के राज्य कार्यालय, देहरादून द्वारा दिनांक 04.03.2020 को हाथ कागज एवं रेशा उद्योग के अन्तर्गत एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें एफआरआई, देहरादून के हाथ कागज उद्योग विभाग के वैज्ञानिकों, रेशा एवं हाथ कागज के उद्यमियों, तकनीकी विशेषज्ञों सहित लगभग 120 से अधिक लोगों ने भाग किया गया। इस अवसर पर उद्यमियों द्वारा हाथ कागज एवं रेशा उद्योग के अन्तर्गत तैयार किये गए विभिन्न उत्पादों की प्रदर्शनी के साथ-साथ हाथ कागज उत्पादन का जीवन्त प्रदर्शन भी किया गया।

आयोग के राज्य कार्यालय, अहमदाबाद ने सीआरपीएफ शिविरों में गांधीनगर पीएमईजीपी हनी मिशन जैसी खादी ग्रामोद्योग गतिविधि पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। जिसमें सीआरपीएफ के डीआईजी श्री के.एम. यादव, उप कमांडेंट श्रीमती निशा, आयोग के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री संजय हेडाऊ सहित केवीआईसी और सीआरपीएफ के परिवार सदस्यों ने भाग लिया।

आयोग के राज्य कार्यालय, अहमदाबाद में 3 मार्च, 2020 को जीएसटी पर पश्चिम आंचलिक कार्यशाला आयोजित की गई। आयोग के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री संजय हेडाऊ, उपनिदेशक प्रभारी जीएसटी सेल, मुंबई श्री वी.के.शर्मा, आयोग के त्र्यंबक विद्या मंदिर, नासिक के प्राचार्य श्री के.सी.रॉय, जीएसटी अधिकारी, गुजरात और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कोडाइकनाल के कुम्बाराइयूर गाँव में 12.03.2020 को पीएमईजीपी योजना के तहत जागरूकता कार्यक्रम

अगरतला में 12.3.2020 को द्वितीय ऋण के लिए पीएमईजीपी योजना पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उद्योग और वाणिज्य और केवीआई के सचिव, उद्योग और वाणिज्य, निदेशक, आई एंड सी ने भाग लिया।

आयोग के आंचलिक एवं राज्य कार्यालय, बेंगलुरु और एमडीटीसी बेंगलुरू द्वारा संयुक्त रूप से महिला दिवस मनाया गया

आयोग के मंडलीय कार्यालय, मेरठ में मनाया गया महिला दिवस

आयोग द्वारा जम्मू कश्मीर के बारामुला जिले में कुम्हार सशक्तिकरण योजना के तहत प्रशिक्षण कार्यक्रम

आयोग के बहु उद्देशीय प्रशिक्षण केन्द्र, देहरादून में पांच दिवसीय अगरबत्ती निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम

दिनांक 16 मार्च 2020 को आयोग के बहु उद्देशीय प्रशिक्षण केन्द्र, देहरादून में पांच दिवसीय अगरबत्ती निर्माण का प्रशिक्षण राजेश कुमार वरिष्ठ कार्यकारी (प्रशिक्षण) द्वारा आरंभ कराया गया। एफ आर आई, देहरादून से आये प्रशिक्षणार्थियों को आयोग के बहु उद्देशीय प्रशिक्षण केन्द्र, देहरादून श्री ओमप्रकाश उपाध्याय कार्यकारी (प्रशिक्षण) द्वारा अगरबत्ती निर्माण का प्रशिक्षण दिया गया जिसमें आयोग के बहु उद्देशीय प्रशिक्षण केन्द्र, देहरादून के कर्मचारी (सहायक) श्री विजय बल्लभ पंत तथा एमटीएस श्री विष्णु प्रसाद अगरबत्ती का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

प्रेस कवरेज

केवीआईसी का 150वीं गांधी जयंती पर

लोक शिक्षण कार्यक्रम आयोजित

जयपुर। इस बदलते जमाने की बनावटी चमक-दमक से दूर जीवन के असली आनंद से सराबोर करने वाली राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की चहेती खादी के लिए भारत सरकार के खादी और ग्रामोद्योग आयोग, जयपुर की मदद से स्थानीय कमलनिष्ठा संस्थान द्वारा मानसरोवर स्थित रॉयन कॉलेज ऑफएज्युकेशन में खादी के प्रति सकारात्मक वातावरण निर्माण के लिए जनजागृति हेतु विशाल कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रात:काल खादी एवं गांधी के प्रति चेतना जगाने के लिए विविध गतिविधियों के माध्यम से भावी शिक्षिकाओं द्वारा खादी अपनाने का संदेश दिया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता खादी और ग्रामोद्योग आयोग के राज्य निदेशक बद्रीलाल मीना ने बताया कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी का जीवन चिन्तन सदैव गांव-गरीब-लाचार की उन्नति के लिए समर्पित रहा। उनकी इस विशाल सोच के कारण ही अंग्रेजों की लम्बी समय की दासता से भारत को आजादी मिली। उन्होनें सदैव ही ग्राम स्वावलम्बन तथा ग्राम-आत्म निर्भरता की बात की। इस अवसर पर रॉयन कॉलेज ऑफएजुकेशन द्वारा कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें गांधीजी के विचारों की वर्तमान संदर्भ में प्रांसगिकता, विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता, आशुभाषण प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता एंव रंगोली प्रतियोगिताओ का आयोजन किया गया।

रॉयन कॉलेज ऑफएजुकेशन की प्राचार्या डॉ हिमांशु शर्मा ने बताया कि इस दिनभर के लिए आयोजित कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण खादी के परम्परागत पहनावे का फैशन शो तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्य निदेशक बद्रीलाल मीना, विशिष्ट अतिथि परिष्कार बी.एड. कॉलेज की प्राचार्या एंव कमलनिष्ठा संस्थान के सचिव डॉ डी. पी. सिंह उपस्थित रहें। इनके अतिरिक्त अनेक जनप्रतिनिधि एवं संस्थान प्रधानों एवं विद्यार्थीयों ने भाग लिया। खादी व ग्रामोद्योग आयोग, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार के राज्य कार्यालय, जयपुर के माध्यम से आयोजित इस केवीआईसी लोक शिक्षण कार्यक्रम की विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता, उपविजेता रहे प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि ने पुरस्कार प्रदान किया।

खादी के प्रति किया अवेयर

जयपुर ◆ खादी और ग्रामोद्योग आयोग जयपुर व कमलनिष्ठ संस्थान की ओर से मानसरोवर स्थित एक कॉलेज में खादी के प्रति आम व्यक्ति में जागरूकता लाने के उद्देश्य से जनजागृति कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विविध गतिविधियों के माध्यम से भावी शिक्षिकाओं को खादी अपनाने का संदेश दिया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता खादी और ग्रामोद्योग आयोग के राज्य निदेशक बद्रीलाल मीना ने की। इस अवसर पर पोस्टर , निबंध एंव रंगोली प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्राचार्या हिमांशु शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में फैशन शो तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई। अंत में मुख्य अतिथि ने पुरस्कार प्रदान किए । इस अवसर पर संयोज. डी. पी. सिंह उपस्थित रहे।

Centre relaxes leave rules for over 50 years

New Delhi (PTI): Central government employees above the age of 50 years can go on a leave without producing a medical certificate to avoid unnecessary burden on the health-care system amid ongoing coronavirus scare, a Personnel Ministry order said on Friday.

As part of its effort to relax leave norms for the employees, the ministry also asked central government departments to sanction leave to officials who wish to self-quarantine as a preventive measure.

It has now been decided to grant commuted leave without production of medical certificate to officials who are above the age of 50 and have underlying conditions like diabetes, respiratory problems, renal diseases and other life-threatening illness, for upto April 4, 2020, so as to avoid unnecessary burden on the health care system, the order said.

खादी और ग्रामोद्योग में आमूल चूल बदलाव : गडकरी

Khadi India

शहद की माया, निरोग रहे काया

शहद एक पूर्ण संतुलित आहार है जो सूक्ष्म पोषक तत्वों, एंटिऑक्सिडेंट्स, स्वादिष्ट और रोगों से लड़ने वाले गुणों से भरा हुआ है।
अपने दैनिक आहार में शहद के दो चम्मच शामिल करें। प्राकृतिक तरीके से स्वस्थ रहें।

शुद्ध शहद के लिए कृपया अपने नजदीकी खादी इंडिया आउटलेट्स से संपर्क करें।

जनहित में जारी
खादी और ग्रामोद्योग आयोग
वनाधारित उद्योग
ग्रामोदय, 3, इर्ला रोड, विले पार्ले (प.), मुंबई-400 056
जानकारी के लिए संपर्क करें
ई-मेल: fbi.kvic@gov.in

www.kvic.org.in Follow us on kvicindia @kvicindia kvicindia | www.msme.gov.in Follow us on minmsme @minmsme | Download the Khadi India App from